मध्य प्रदेश में विकसित हो रहे हैं 'स्टार्टअप विलेज'

The Desi Awaaz | December 14, 2021 | www.thedesiawaaz.com

==

भोपाल, - मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों के निवासियों को उद्यमी बनाने की दिशा मे प्रयास जारी है, इसी के तहत राज्य के नौ जिलों में स्टार्टअप विलेज कार्यक्रम लागू किया गया है। इसके जरिए साढ़े सात हजार से अधिक सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा दिया जा चुका है। प्रदेश में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ मिलकर **भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई)-अहमदाबाद** ने ग्रामीण उद्यमिता विकास के लिए स्टार्टअप विलेज इंटरप्रेन्योरशिप कार्यक्रम (एसवीईपी) परियोजना के तहत डिंडोरी, बड़वानी, श्योपुर, शहडोल, सीधी, मंडला, बालाघाट, अलीराजपुर और झाबुआ जिलों में स्टार्टअप विलेज कार्यक्रम लागू किया है। इस कार्यक्रम का मकसद गांव में उद्यमी तैयार करना है। इस काय्रक्रम के तहत अब तक साढ़े सात हजार सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा दिया जा चुका है।

ईडीआईआई अहमदाबाद के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में राज्य में किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा देते हुए बताया कि उनका संस्थान हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र के व्यापक विकास के कार्य में लगा हुआ है, जिसमें चंदेरी और महेश्वर में हथकरघा, बैतूल में टेरा-कोटा और ग्वालियर में कालीन उद्योग प्रमुख हैं। इसके साथ ही राज्य सरकार, उद्योग और अन्य सहायता संस्थानों के साथ हस्तनिर्मित उत्पाद, कृषि, बागवानी और वन आधारित उत्पाद, इकोटूरिज्म, हर्बल वेलनेस उत्पाद प्रमुख को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयासरत है।

उन्होंने आगे बताया कि ईडीआईआई ने मध्य प्रदेश के प्रमुख संस्थानों जैसे मध्य प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर और राज्य सरकार के साथ कई अन्य करार किए हैं। इसके अलावा कोशिश है कि प्रमुख शिक्षा संस्थानों के सहयोग से ईडीआईआई का इरादा फिनटेक, एडुटेक, क्लीनटेक, हेल्थटेक, बायोटेक, आदि जैसे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्र उद्यमिता के लिए एक अनुकूल माहौल बनाया जाए।

राज्य में चल रहे कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए डॉ. शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के साथ राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन आधारित उद्यमों के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है। राज्य मुक्त विद्यालय शिक्षा बोर्ड के साथ वर्ल्ड ऑन व्हील्स परियोजना के तहत काम कर रहा है और राज्यभर के छात्रों, शिक्षकों और समुदाय को डिजिटल शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में ग्वालियर में कालीन पार्क की स्थापना में सहयोग कर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्किल्स फॉर जॉब्स योजना के तहत 221 आईटीआई में कुशल युवाओं के बीच उद्यमिता विकसित करने के लिए मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास और रोजगार सृजन बोर्ड (एमपीएसएसडीईजीबी) में उद्यमिता विकास सेल की स्थापना की है।

https://thedesiawaaz.com/business/मप्र-में-विकसित-हो-रहे-हैं-स्टार्टअप-विलेज/cid6028770.htm